



धमाका
डिस्काउंट ऑफर

Exchange & Finance Available

Zelo Electric Scooter

Maa Bhagwati Services & Enterprises
B. No. 23, Infront of IDBI Bank,
Neemuch 9407423966, 8770664866

Commodity:	Gold 79,325	Silver 96,500	Crude Oil 5,963	Natural Gas 302.20	Aluminium 232.30	Copper 827.35
------------	-------------	---------------	-----------------	--------------------	------------------	---------------

देश बहुसंख्यक के हिसाब से चलेगा

कहने वाले जस्टिस शेखर यादव के बयान पर सुप्रीम कोर्ट ने लिया संज्ञान, इलाहाबाद हाईकोर्ट से मांगा ब्योरा

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम घटनाक्रम में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के एक कार्यक्रम में जस्टिस शेखर कुमार यादव के विवादास्पद बयानों से संबंधित खबरों पर मंगलवार को संज्ञान लिया और इस मुद्दे पर इलाहाबाद हाई कोर्ट से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

वीएचपी के कार्यक्रम में दिया था भाषण – यह घटनाक्रम ऐसे समय में और अहम हो गया है जब चीफ जस्टिस संजीव खन्ना से विवादित बयान देने वाले इलाहाबाद हाई कोर्ट के जज के खिलाफ कार्रवाई की मांग की जा रही है। न्यायाधीश यादव ने विहिप के एक कार्यक्रम में पिछले दिनों कहा था कि समान नागरिक संहिता (यूसीसी) से समाज में सौहार्द बढ़ेगा। इसका उद्देश्य धर्मों और समुदायों पर आधारित असमान कानूनी प्रणालियों को समाप्त कर सामाजिक सद्भाव, लैंगिक समानता और धर्मनिरपेक्षता को बढ़ावा देना है।



शाहबानो केस का किया जिक्र – उन्होंने यह भी कहा कि भारत अपने बहुसंख्यकों की इच्छा के अनुसार चलेगा। कठमुल्ला देश के लिए घातक हैं। उनसे सावधान रहने की जरूरत है। इस पर विपक्षी दलों सहित विभिन्न धड़ों ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की और उन्होंने जज के बयानों पर सवाल उठाए तथा इसे घृणास्पद भाषण करार दिया।

कई दलों और वकीलों ने बयान पर जताई थी आपत्ति – कैपेन फार ज्यूडिशियल

अकाउंटेबिलिटी एंड रिफार्मर्स के संयोजक प्रशांत भूषण ने मंगलवार को सीजेआइ खन्ना को पत्र लिखकर इलाहाबाद हाई कोर्ट के न्यायाधीश के आचरण की आंतरिक जांच कराने का अनुरोध किया। भूषण ने कहा कि न्यायाधीश ने न्यायिक नैतिकता के साथ-साथ निष्पक्षता और धर्मनिरपेक्षता के संवैधानिक सिद्धांतों का भी उल्लंघन किया है। इस टिप्पणी ने एक तटस्थ मध्यस्थ के रूप में न्यायपालिका की भूमिका कमजोर की है तथा जनता के विश्वास को क्षीण किया है।

माकपा की नेता वृंदा करात ने आठ दिसंबर को प्रधान न्यायाधीश को पत्र लिखकर कहा कि उक्त न्यायाधीश का भाषण उनकी शपथ का उल्लंघन है तथा उन्होंने मांग की कि न्यायालय में ऐसे लोगों के लिए कोई जगह नहीं है।

करात ने इस मामले में शीर्ष अदालत से कार्रवाई करने का अनुरोध किया। इसी प्रकार, बार एसोसिएशन आफ इंडिया ने भी हाई कोर्ट जज के बयान की निंदा करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया।

शहर में प्रथम बार हो रहा अनेक सड़कों का चौड़ीकरण, शहर का नया स्वरूप देने में जुटी श्रीमती चौपड़ा

श्रीमती खंडेलवाल के साथ नपाध्यक्ष ने किया 96 लाख लागत से बनने वाले मार्ग का निरीक्षण

नीमच । नगरपालिका परिषद् नीमच द्वारा नपाध्यक्ष श्रीमती स्वाति-गौरव चौपड़ा के मार्गदर्शन में नीमच शहर में जारी विकास श्रृंखला के तहत शहर में प्रथम बार पोल शिफ्टिंग कर सड़कों के चौड़ीकरण के माध्यम से शहर को खूबसूरत बनाने की मुहिम प्रारंभ की गई है।

इसी मुहिम के तहत नगरपालिका द्वारा कायाकल्प अभियान अंतर्गत वार्ड क्र. 23 व 24 के अंतर्गत आने वाले स्कीम नं. 9 शंकर आइल मिल से शंभू व्यायाम शाला व चमड़ा कारखाना होकर सिद्धि विनायक कालोनी तक 96 लाख रू. की लागत से सड़क चौड़ीकरण कर डामरीकरण किया जा रहा है, जिसका निरीक्षण मंगलवार, 10 अगस्त को नपाध्यक्ष श्रीमती



स्वाति-गौरव चौपड़ा ने सभापति व वार्ड क्र. 24 की पार्षद श्रीमती वंदना खंडेलवाल के साथ किया। इस दौरान वार्ड क्र. 23 की पार्षद श्रीमती गुंजन-विष्णु राठौर, पार्षद रूपेन्द्र लोकस भी उपस्थित थे।

पोल शिफ्टिंग व सड़क चौड़ीकरण के बाद चल रहे डामरीकरण कार्य का निरीक्षण करते हुए नपाध्यक्ष श्रीमती चौपड़ा

ने कहा कि हमारा उद्देश्य शहर के प्रमुख मार्गों का चौड़ीकरण कर उन्हें सुंदर व गुणवत्तापूर्ण बनाना है। इस हेतु कायाकल्प अभियान के तहत तीन प्रमुख मार्गों का चयन किया गया है, जिसमें वार्ड क्र. 23 व 24 को जोड़ने वाला यह मार्ग भी शामिल है। इस मार्ग के बनने से यह मार्ग शहर के अनेक मार्गों से जुड़ जाएगा

और नागरिकों को मूलचंद मार्ग से चमड़ा कारखाना होकर सीधे कृषि मंडी व बघाना पहुंचने में आसानी होगी तथा इससे शहर में यातायात का दबाव भी कम होगा। श्रीमती चौपड़ा ने बताया कि पहले यह मार्ग करीब 9 मीटर चौड़ा था जिसे 15 मीटर चौड़ा किया गया है। निरीक्षण के दौरान नपाध्यक्ष श्रीमती चौपड़ा ने

डेकेदार व नपा इंजीनियर को कार्य गुणवत्तापूर्ण करने के निर्देश भी दिए। नपाध्यक्ष श्रीमती चौपड़ा ने निरीक्षण के दौरान क्षेत्रवासियों की समस्या भी सुनीं और स्कीम नं. 9 स्थित चैनामाता कुशलामाता मंदिर व श्रीकृष्ण मंदिर वाले मार्ग के डामरीकरण हेतु नपा के उपयंत्री श्री परमार को प्राक्कलन तैयार करने के भी निर्देश दिए।

चोरी करने पहुंचे चोरों ने भगवान को किया प्रणाम, एक रात में 11 दुकानों पर बोला धावा



बैतूल । बैतूल में चोरों के हौसले बूढ़े हैं. रात में एक साथ 11 दुकानों पर चोरों ने धावा बोल दिया. शटर के ताले तोड़कर चोर दुकान से सामान चोरी कर ले भागे. वारादत सीसीटीवी में कैद हो गई. अगली सुबह दुकान के ताले टूटे देखकर दुकानदारों ने माजरा समझ लिया. घटना मुलताई थाना क्षेत्र की है. दुकानदारों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है. वारादत से पहले चोरों की भगवान के प्रति श्रद्धा रिकॉर्ड हुई है ।

– सीसीटीवी फुटेज में दो चोरों की तस्वीर कैद हुई है. शुभम कृषि केंद्र नामक दुकान में घुसे दो चोरों ने नगदी और सामान पर हाथ साफ कर दिया. चोरी के दौरान चोर

एमपी में डिजिटल अरेस्टिंग के नाम पर ठगी करने वालों पर सख्ती, पुलिस को मिली बड़ी सफलता

भोपाल । मध्य प्रदेश में अब लोगों को डिजिटल अरेस्टिंग के नाम पर लूटने वालों की शामत आ गई है. मध्य प्रदेश के कई जिलों में इसी घटनाओं को लोगों की जागरूकता से रोक दिया गया है. दूसरी तरफ पुलिस ने भी कार्रवाई को तेज कर दिया है. राज्य के नए डीजीपी कैलाश मकवाना ने कई जिलों में हुई कार्रवाई की जमकर तारीफ की है । एमपी में डिजिटल अरेस्टिंग के नाम पर लोगों की जीवन भर की कमाई लूटने वाले जालसाजों ने पिछले कुछ समय में जमकर आतंक मचाया है. ऐसे में मुख्यमंत्री डॉ.



मोहन यादव को खुद मोर्चा संभालना पड़ा. उन्होंने कुछ समय पहले पुलिस महकमे के आला अधिकारियों की बैठक लेकर डिजिटल अरेस्टिंग के मामले के जरिए कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे । इसका असर अब दिखने भी लगा है. डीजीपी कैलाश मकवाना ने दमोह, इंदौर और सिमरीली पुलिस की ओर से जालसाजी की वारादत को रोककर पीड़ितों को बचाने पर उनकी जमकर तारीफ की है. डीजीपी ने लोगों को अलर्ट रहने को भी कहा है ।

गणपति नगर में चोरो का आतंक, रहवासियों के जागने पर भाग निकले, पुलिस गश्त की मांग

सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए चोर

नीमच । इन्दिरा नगर के पास स्थित गणपति नगर वार्ड नं.08 में इन दिनों चोरो का आतंक मचा हुआ है। सोमवार मंगलवार की दरम्यानी रात को चोरी की नियत से घूमते हुए 3 से 5 अज्ञात लोगों को रहवासियों ने देखा। लोगों के जागने पर वे भाग निकले। पर चरो के बाहर लग रहे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गये। सोमवार मंगलवार की दरम्यानी रात्रि 2:10 बजे के आसपास क्षेत्र में चोरी की नियम से घूम रहे अज्ञात लोगों को रहवासी ने देखा और आसपास लोगों को सूचना दी। सभी एक दूसरे के बुलावे पर बाहर निकले तो चोर भाग निकले। चोरो का

यहां वहां देखा। पुलिस गश्त की गाड़ी आई तो उन्हें चोरो के बारे में बताया गया। वहीं एक कार भी आई थी जिसमें कुछ लोग बैठे थे । वो कौन थे यह पता नहीं चला और वो भी तेजी से कार को भगाकर ले गए। यह सब घटनाक्रम होने के बाद क्षेत्र में दहशत व्याप्त हो गई। सभी सीसीटीवी कैमरे में देखा तो पता चला कि सभी अज्ञात चोर युवा लग रहे थे जिन्होंने मुंह पर मास्क लगा रखा था। और वे सभी के दरवाजों को खींच खींचकर देख रहे थे।

रहवासियों ने बताया कि क्षेत्र में चोरो की आवाजाही बड़ चुकी है। बीते दिवस सोमवार मंगलवार की दरम्यानी रात्रि क्षेत्र में डकैती की नियत से आए करीब 3 से 5 की संख्या में चोरो को देखा गया है जो मुंह पर कपड़े बांध कर आये थे । उन्होंने गणपति नगर के रहवासियों का भी दरवाजा खींचकर तोड़ने का प्रयास किया, लेकिन आसपास रहवासियों के जागने पर चोर भाग निकले। चोरो की आवाजाही से क्षेत्र में दहशत का माहौल व्याप्त है। रहवासियों ने बताया कि अज्ञात लोग देखने में हट्टे कट्टे नजर आ रहे थे वे किसी के साथ भी क्षेत्र में अग्रिय घटना घटित कर सकते है। उनके तरीके से लग रहा था कि वे डकैती करने आए हो। रहवासियों ने पुलिस से गश्त की मांग की है।

ज्ञानोदय
मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल में

आयुष्मान
योजना लागू

5 लाख
रूपए

प्रति वर्ष, पात्र परिवार को
निःशुल्क उपचार

GMH
...where healing begins.

ज्ञानोदय मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल

आयुष्मान भारत

अब बीमार नहीं रहेगा लाचार, अंचल के भव्य हॉस्पिटल में होगा निःशुल्क उपचार

आयुष्मान कार्ड धारकों के निम्नलिखित बीमारियों के उपचार **निःशुल्क** किए जाएंगे –

- जनरल मेडिसीन
- बाल चिकित्सा प्रबंधन
- नवजात गहन शिशु इकाई
- आपातकालीन चिकित्सा
- जनरल सर्जरी
- बर्न प्रबंधन
- प्रसूति एवं स्त्री रोग
- अस्थि एवं हड्डी रोग
- गंभीर चोटें
- संक्रामक रोग

अब उदयपुर एवं इंदौर जाने की जरूरत नहीं

सुपरस्पेशलिस्ट डॉक्टर

का समूह एक ही स्थान पर उपलब्ध

ज्ञानोदय मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
ज्ञानोदय महाविद्यालय के पीछे, कनावटी, नीमच ९6262778282

जनसुनवाई में आए आवेदनों का प्राथमिकता से निराकरण करवाएं-श्री चंद्रा



नीमच 10 दिसम्बर । कलेक्टर हिमांशु चंद्रा की अध्यक्षता में कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में जिला अधिकारियों की समय-सीमा पत्रों के निराकरण की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड़, जिला पंचायत सीईओ श्री अरविंद डामोर एवं सभी एसडीएम तथा जिला अधिकारी उपस्थित थे ।बैठक में कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने निर्देश दिए कि जनसुनवाई में आए सभी आवेदनों का निराकरण प्राथमिकता से करवाएं।

जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों का समय सीमा में निराकरण होने पर प्रशंसा करते हुए कलेक्टर ने कहा,कि इसी तरह आमजनों की समस्याओं का निराकरण कर उन्हें लाभांवित करें। बैठक में बताया, कि जिन दिव्यांगजनों के प्रमाण पत्र नहीं बने है, ऐसे दिव्यांगों की सूची तैयार कर, जीवन में आयोजित होने वाले शिविर में प्रमाण पत्र बनवाएं।

बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिए, कि सभी पंचायतों में अपात्रता पर्ची वाले हितग्राहियों का नाम हटवाएं। सभी एसडीएम को निर्देश दिए, कि दो वर्ष से अधिक के धारणाधिकार प्रकरणों का निराकरण करें और एमपीईबी, खाद्य विभाग, नगर परिषद, श्रम विभाग सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का निराकरण तत्काल करवाएं ।

नकदी व जेवर लूटने वाले आरोपी 2 दिन बाद भी नहीं पकड़ाए

पिपलिया स्टेशन (निप्र)। जानकारी के अनुसार कयामपुर निवासी आदित्य पिता कृष्णवल्लभ मोदी ने नाहरगढ़ थाने पर शिकायत दर्ज कराई थी कि रविवार शाम 7 बजे कृषि सेवा की दुकान को बंद कर रहा था, इसी दौरान तीन बदमाशों ने मेरी आंख में मिर्च पाउडर डाल दिया और मारपीट कर 50 हजार रूपए से भरा बैग छिन लिया व गले से सोने की चेन की झपटकर फरार हो गए। पुलिस ने लूट का केस दर्ज कर लिया, लेकिन दो दिन बाद भी पुलिस अभी तक आरोपियों को नहीं पकड़ पाई।

चतुर्थ पुण्यतिथि

विनम्र श्रद्धांजलि



स्व. श्री गोपालचंद्र जी शर्मा

श्रद्धावनत

श्रीमती भगवती शर्मा एवं समस्त शर्मा परिवार, नीमच



फैशन में नए एक्सपेरिमेंट करते रहें

- **टी-शर्ट** **वेद स्लोगन** : युवावस्था में अपना एटीट्यूट खुलकर समाने ला सकते हैं। इसका सबसे अच्छा तरीका है, 80 के स्टाल की ब्राइट कलर की स्लोगन लिखी टी-शर्ट पहनें। टी-शर्ट पर किसी भी तरह की आर्ट दर्शाई जा सकती है। चाहे वह आपका फेवरिट सुपर हीरो हो या वह ठाकन जो आपके दिमाग में है।
- **बेहबाल कैप्स** : कॉलेज में ज्यादातर सब ही लड़के कैप पहनते हुए देखे जा सकते हैं। बेहबाल कैप्स 90 के दशक में चर्चित हुई थी और अभी भी टैंड में है। वह परफेक्ट एसेसरीज है और जैस आप टी-शर्ट के साथ पहनी जा सकती है।
- **स्कार्फ** : मोटे निटेड वाला से लेकर ब्राइट रंग और पैटर्न वाले स्कार्फ हर वॉर्डरोब में जरूर होने चाहिए। वे ज्यादातर टी या ब्रेसलेट की तरह हाथ पर बंधे हुए आउट अच्छे लगते हैं।
- **कॉक ज्वेलरी** : सड़क के किनारे लगी दुकान पर आप छोटी बारगेनिंग में आपकी पसंदीदा ज्वेलरी मिल जाएगी। आजकल ऐसे ब्राइटर रंग के स्टोस और नक्ली डायमंड रिंग भी पॉपुलर होती जा रही हैं। बीइस की टोन फैशन से कभी बाहर नहीं होते। आजकल ज्वेलरी पहनने में लड़के भी पीछे नहीं हैं। उन्हें एक बड़ा सिक्वर पेंडेज या एक कान में झ्यरिंग पहनना अच्छा लगता है।
- **पोलका डॉट्स** : पोलका डॉट्स कभी भी आउट ऑफ स्टाल नहीं जाते। लड़कियां एक बेल फिट्टेड पोलका डॉट ड्रेस हीलर के साथ पहन सकती हैं। यह लवो और ग्रीन कलर में बहुत ही फकी लुक देते हैं। आज कॉलेज के लिए एक लॉन्ग पोलका प्रिंट टॉप लेनिंग्स और पलेट्स के साथ पहन सकती हैं।
- **बेल्ट्स** : लंबी, छटी, पतली, मोटी और सॉलिड रंगों में एम्बेलिशमेंट वाली बेल्ट हर टोन के वॉर्डरोब का एक अहम हिस्सा होती है। बेल्ट अब बस पैंट या जींस के ऊपर रखने के लिए नहीं होती, बल्कि अब यह ड्रेसिंग, लॉन्ग टी-शर्ट और डाट यूनिक्स के ऊपर भी पहनी जा सकती है।
- **मोबाइल फोन** : तेलेट्रैड काल होने के साथ-साथ उसके साथ सही एसेसरीज होना भी जरूरी है। मोबाइल केस, रिट्रॉफ, मोबाइल हींगमिंग सब फोन की पर्सनैलिटी बढाते हैं।

टीनेज की उम्र में हर कोई फैशन की तरफ
अद्वैत होता है। इस उम्र में आमतौर पर
युवा कुछ न कुछ नए एक्सपेरिमेंट करना
पसंद करते हैं। इस उम्र में आप अपनी
पर्सनैलिटी और एटिट्यूट अपनी ड्रेसिंग और
एसेसरीज से एक्सप्रेस कर सकते हैं।



लौट रहे हैं वाइब्रेंट कलर्स

अपने डिफरेंट शोइस के साथ यह कलर टीनेजर्स से लेकर सेलीब्रिटीज की पहली पसंद बना हुआ है। यहां तक कि फैशन डिजाइनर्स ने भी अपने कलेक्शन में इस बार जमकर इस रंग का प्रयोग किया है।

તાજગી ભરા અહસાસ

बीच में कुछ समय गायब रहने के बाद लौटे इस कलर ने

फैशन जगत में एक नई ताजगी भर दी है। इसलिए आप भी अपने वॉर्डरोब में छिपे इस वाइब्रेंट कलर को दोबारा देखौफ होकर बाहर निकाल सकती हैं।

खुद करें चयन

यदि आपको ब्राइट यलो पसंद नहीं है, तो आप लाइट और सॉफ्ट यलो कलर्स को चुन सकती हैं। लेमन यलो और

फैशन वर्ल्ड में कलर्स का आना-जाना सामान्य बात है। लेकिन कुछ समय बाद पुराने वाइब्रेंट कलर्स लौटे हैं, जो बहुत ही सुदिग लुक में हैं।

लाइट यलो कलर्स सभी पर फबेंगे। मिक्स-मैच कई लोगों के लिए सॉलिड यलो पहनना थोड़ा मुश्किल होता है। ऐसे में आप दूसरे रंगों के कॉम्बिनेशन के साथ इस रंग को पहन सकती हैं। यलो को लाइट ब्लू, बोल्ड ग्रीन, बेबी पिंक और व्हाइट के साथ आराम से मैच किया जा सकता है।

जायका

पालक पनीर



सामग्री

पालक- 500 ग्राम, चीनी आधा छोटी चम्मच, पनीर- 200 ग्राम पनीर को चौकोर टुकड़ों में काट लें, रिफाईंड तेल - 2 टेबिल स्पून, हींग- 1/2 पिच, जीरा-आधा छोटी चम्मच, हल्दी पाउडर- 1/4 छोटी चम्मच, कसूरि मैथी- 2 छोटी चम्मच (उड़ियां हटाकर प्रयोग करें), टमाटर- 2-3, हरी मिर्च-3-4, अदरक- 1 इंच लम्बा टुकड़ा, बेसन- 2 छोटे चम्मच, क्रीम या मलाई- 2 टेबिल स्पून, लाल मिर्च- 1/4 छोटी चम्मच से कम (यदि चाहें), नमक- स्वादानुसार, गरम मसाला- एक चौथाई छोटी चम्मच, नींबू का रस- 2 छोटी चम्मच

बनाने की विधि

पालक की डंडियां तोड़कर हटा दीजिये, पत्तों को अच्छी तरह धोकर एक बर्तन में डालें, चौथाई कप पानी और चीनी डाल दीजिए, ढंककर उबालें रख दीजिए, 5-6 मिनट में पालक उबल जाती है। गैस बन्द कर दीजिये। पनीर के चौकोर टुकड़े काट लीजिए। आप पनीर को तलकर या बिना तले दोनों तरीके से तरी में डाल सकती हैं (पनीर को तलने के लिये नान स्टिक तवा गरम कीजिये, थोड़ा सा तेल डालिये और पनीर के टुकड़े तवे पर डाल कर दोनों ओर हल्का झाड़न होने तक तल लीजिये)। टमाटर को धोएँ, टुकड़ों में काटिये। हरी मिर्च के डंठल तोड़िये, धोइये। अदरक को छीलिये, धोइए और 3-4 टुकड़े कर लीजिए। इन सबको मिक्सी से बारीक पीस लीजिये। कढ़ाही में तेल डाल कर गरम कीजिये। गरम तेल में हौग और जीरा डाल दीजिए।

जीरा भूनने के बाद, हल्दी पाउडर और कसूरी मेथी डालिए, अब बेसन डालकर थोड़ा सा भूनीए, अब इस मसाले में टमाटर, अदरक, हरी मिर्च का पेस्ट डाल दीजिए और मसाले को 2 मिनट भूनीए, अब क्रीम या मलाई डालिए और मसाले तब तक भूनीए, जब तक मसाले के ऊपर तेल न तैरने लगे। उबले पालक को टंडा होने के बाद मिक्सी से बारीक पीसिए, पालक के पेस्ट को भूने हुए मसाले में मिलाएं। तरी में जितना चाहें गाढ़ी या पतली रखना है, पानी और नमक डाल दीजिए, उबाल के बाद पनीर के टुकड़े डालें, 2-3 मिनट पकाइयें।

पालक पनीर की सब्जी तैयार है। पालक पनीर की सब्जी में गरम मसाला और नीबू का रस मिला दीजिये।

वेडिंग सीजन में फैशन ट्रेंड

ब्राइडल एशिया एगजीबिशन लगे और शादियों का फैशन फोरकास्ट न किया जाए, ऐसा कैसे हो सकता है? इस एगजीबिशन से निकले कौन से ट्रेंड इस बार शादियों में आपको दिखाई देने वाले हैं। जिससे चार चांद लग जाए।

ढोल और नगाड़ों का मौसम शुरू हो गया है। शामियां सजने लगे हैं। शादियां बजने लगे हैं। यानी वेंडिंग सीजन की शुरुआत हो गई है। आइए एक नजर डालें इस बार के वेंडिंग ट्रेसेज के आने वाले नए ट्रेंड पर:

मेरा वाला पिक चाहिए!:: पिक को कलर ऑफ द सीजन कहना गलत न होगा। अगर आपने ब्राइडल एंथियान एग्जीबिशन देखी होगी तो गौर किया होगा कि हर कोने, हर जर्में यही रंग बिखरा हुआ था। कहीं बेबी पिक के रूप में सादगी सी खूबसूरती

का बायस बना था तो कहीं मजेंटा पिंक के रूप में तड़कता-भड़कता गैम्बर नजरों को लुभा रहा था। न सिर्फ परिधान बल्कि ज्वेलरी, एसेसरी और फुटवियर तक में पिंक रंग चमकेगा। फैशन डिजाइनर जया राठोड़ी की मानें तो शायदी के परिधानों के लिए पिंक लहंगे या साड़ी को सुनहरे तारों से बुना जाएगा, जिससे पिंक में गोल्ड इफेक्ट आए या फिर इसके साथ मोव रंग की जुताबंदी की जाएगी, ताकि रॉयल अहसास महसूस हो। ज्वेलरी को भी पिंक स्टोन से हाइलाइट किया जाएगा।

घेर वाले परिधान: ब्राइडल एशिया में डिजाइनरों ने जिस चीज पर सबसे ज्यादा फोकस किया, वह थी व्हेटलाइन। यानी कमर पर से फिट ड्रेस। ब्राइडल गाउन हों या अनारकली कुर्तियां या फिट लगे। हर परिधान की खासियत है कि उसे कमर से फिट रखा जाता है। उसके बाद धरे सारा घेर देते हुए फुलना छोड़ दिया गया था। ये सारे परिधान फेमिनिटी को उभारने की पूरी कोशिश कर रहे थे।

फेसन डिजाइनरों के मुताबिक, इस बार शादियों में इंडोवेस्टन का जलवा दिखेगा। डिजाइनर भारतीय फैब्रिक से भारतीय परिधान बनाएंगे। उन पर कहाई भी भारतीय रहेगी, मगर उस शोप और कट से वेस्टन लुक दिया जाएगा। वेस्टलाइन को हाइलाइट करने के लिए जहां लेस, जरी और स्टोन का इस्तेमाल किया जाएगा, वहीं घेरे की खूबसूरती बढ़ाने के लिए फ्रिल, नेट और जरी का इस्तेमाल किया जाएगा।

चोली चट और जैकेट : इस वेडिंग सीजन में अपर वियर यानी लहंगे के ऊपर पहनने वाले परिधानों में खूब वैरायटी दिखाई देगी। अगर आप ग्लैमरस लुक चाहती हैं तो आपके लिये बैकलेस शॉर्ट चोली बेहतर रहेगी। अगर आप एलिंगेंस लुक चाहती हैं तो नेहरू कॉलर कमर तक की या घुटने वाली लेंथ वाली जैकेट ट्राई कर सकती हैं। इस बाबद जया बताती हैं चोली तो पहले से चलन में है, मगर जैकेट ने इस बार वापसी की है।



घर की खिड़कियों को खूबसूरत बनाएं

रंग-बिरंगे रेशमी परदे

परदे का रंग आपके कमरे के डेकोर से मेल खाता होना चाहिए। अतः कमरे के लिए परदे का चयन करते समय इस बात का विशेष ध्यान रखें। साधारण से कमरे में हल्के रंगों के परदे और बड़े कमरे के लिए हैवी लुक वाले स्टाइलिश परदे परफेक्ट हैं। कमरे में खिड़की की सजावट का एक बहुत आसान तरीका परदे में रिनन या गाँठ बांधना भी है। आप इसे घर में भी बना सकती हैं।



प्रिंटेड और प्लेन परदे

प्रिंटेड और प्लेन परदे को मिलाकर खिड़कियों पर लगाएँ। इससे अच्छा लुक आएगा। सार्टन की कोई पुरानी साड़ी हो, तो आप लैस लगाकर परदा तैयार कर सकती हैं या फिर कुशन कवर भी बना सकती हैं। सोफा व कुशन कवर का चयन भी परदे के रंग से मैच करता हुआ ही खरीदीं। इन दिनों हरे रंग का कॉम्बिनेशन ज्यादा डिमांड में हैं।

लाइट व डार्क परदे

ऑफिस हो या घर आप अपने मनपसंद के अनुसार पर्दे खरीद सकते हैं। ऑफिस में लाइट कलर के व घरों में डार्क कलर के पर्दे सुंदर व आकर्षक लगते हैं। दोनों में ही कलर व डिजाइन एक से बढ़कर एक आ रहे हैं। इसमें 50 रुपये से 300 रुपये प्रतिमीटर की रेंज उपलब्ध है।

परदे को रॉयल लुक दे कर्टन रॉड

कर्टन रॉड का इस्तेमाल परदेों को हँग करने के लिए किया जाता है। घर में यदि डिजाइनर कर्टन रॉड लगे हों, तो कमरों की खुशबूसुरती में चार घंटा लंग जाते हैं। आजकल कर्टन रॉड की कटरेज मार्केट में उपलब्ध हैं। इनमें रंगों की वैरायटी में देखने को मिल जाएगी, फिर भी सफेद, डार्क ब्राउन और ब्लैक रंग की ज्यादा डिमांड है। ये लकड़ी, एल्युमिनियम, आपन, फाइबर के अलावा प्लास्टिक में भी उपलब्ध हैं। इन जिनों स्टील और मेटलिक सफेस के लिए मैग्नेटिक कर्टन रॉड में मिल रहे हैं। ऐसे रॉड को दीवारों से लगाने के लिए ड्रिलिंग की जरूरत नहीं पड़ती। परदे के हिसाब से रॉड का चुनाव करें, ताकि परदे का वजन रॉड आसानी से उठा सके। यदि हँगते परदे लगाने हों, तो रॉड का मैटेरियल भी उसी के हिसाब से खरीदें।

भारत में सहकारिता आंदोलन को सफल होना ही होगा



प्रहलाद सबनानी

भारत में सहकारिता आंदोलन का यदि सहकारिता की संरचना की दृष्टि से आंकलन किया जाय तो ध्यान में आता है कि देश में लगभग 8.5 लाख से अधिक सहकारी साख समितियां कार्यरत हैं। इन समितियों ने कुल सदस्य संख्या लगभग 28 करोड़ है। हमारे देश में 55 किस्मों की सहकारी समितियां विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रही हैं। जैसे, देश में 1.5 लाख प्राथमिक दुग्ध सहकारी समितियां कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त 93,000 प्राथमिक कृषि सहकारी साख समितियां कार्यरत हैं। ये मुख्य रूप से ग्रामीण इलाकों में कार्य करती हैं। इन दोनों प्रकार की लगभग 2.5 लाख सहकारी समितियां ग्रामीण इलाकों को अपनी कर्मभूमि बनाकर इन इलाकों की 75 प्रतिशत जनसंख्या को अपने दायरे में लिए हुए है। उक्त के अलावा देश में सहकारी साख समितियां भी कार्यरत हैं और यह तीन प्रकार की हैं। एक तो वे जो अपनी सेवाएं शहरी इलाकों में प्रदान कर रही हैं। दूसरी वे हैं जो ग्रामीण इलाकों में तो अपनी सेवाएं प्रदान कर रही हैं, परंतु कृषि क्षेत्र में ऋण प्रदान नहीं करती हैं। तीसरी वे हैं जो उद्योगों में कार्यरत श्रमिकों एवं कर्मचारियों की वित्त संबंधी जरूरतों को पूरा करने का प्रयास करती हैं। इसी प्रकार देश में महिला सहकारी साख समितियां भी कार्यरत हैं। इनकी संख्या भी लगभग एक लाख है। मछली पालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मछली सहकारी साख समितियां भी स्थापित की गई हैं, इनकी संख्या कुछ कम है। ये समितियां मुख्यतः देश में समुद्र के आसपास के इलाकों में स्थापित की गई हैं। देश में बुनकर सहकारी साख समितियां भी मजिद की गई हैं, इनकी संख्या भी लगभग 35,000 है। इसके अतिरिक्त हाउसिंग सहकारी समितियां भी कार्यरत हैं। उक्तवर्णित विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत सहकारी समितियों के



अतिरिक्त देश में सहकारी क्षेत्र में तीन प्रकार के बैंक भी कार्यरत हैं। एक, प्राथमिक शहरी सहकारी बैंक जिनकी संख्या 1550 है और ये देश के लगभग सभी जिलों में कार्यरत हैं। दूसरे, 300 जिला सहकारी बैंक कार्यरत हैं एवं तीसरे, प्रत्येक राज्य में एपेक्स सहकारी बैंक भी बनाए गए हैं। उक्त समस्त आंकड़ें वर्ष 2021-22 तक के हैं। इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि हमारे देश में सहकारी आंदोलन की जड़ें बहुत गहरी हैं। दुग्ध क्षेत्र में अमूल सहकारी समिति लगभग 70 वर्ष पूर्व प्रारम्भ हुई है, जिसे आज भी सहकारी क्षेत्र की सबसे बड़ी सफलता के रूप में गिना जाता है। सहकारी क्षेत्र में स्थापित की गई समितियों द्वारा रोजगार के कई नए अवसर निर्मित किए गए हैं। सहकारी क्षेत्र में एक विशेषता यह पाई जाती है कि इन समितियों में सामान्यतः निर्णय सभी सदस्यों द्वारा मिलकर लिए जाते हैं। सहकारी क्षेत्र देश के आर्थिक विकास में अपनी अहम भूमिका निभा सकता है। परंतु इस क्षेत्र में बहुत सारी चुनौतियां भी रही हैं। जैसे, सहकारी बैंकों की कार्य प्रणाली को दिशा देने एवं इनके कार्यों को प्रभावशाली तरीके से नियंत्रित करने के लिए अपेक्स स्तर पर कोई संस्थान नहीं है। जिस प्रकार अन्य बैंकों पर भारतीय रिजर्व बैंक एवं अन्य वित्तीय संस्थानों का नियंत्रण रहता है ऐसा सहकारी क्षेत्र के बैंकों पर नहीं है। इसलिए सहकारी क्षेत्र के बैंकों की कार्य पद्धति पर हमेशा से ही आरोप लगते रहे हैं एवं कई तरह की धोखेबाजी की घटनाएं समय समय पर उजागर होती रही हैं। इसके विपरीत सरकारी क्षेत्र के बैंकों का प्रबंधन बहुत पेशेवर, अनुभवी एवं सक्रिय रहा है। ये बैंक जोखिम प्रबंधन की पेशेवर नीतियों पर चलते आए हैं जिसके कारण इन बैंकों की विकास यात्रा अनुकरणीय रही है। सहकारी क्षेत्र के बैंकों में पेशेवर प्रबंधन का अभाव रहा है एवं ये बैंक पूंजी बाजार से पूंजी जुटा पाने में भी सफल नहीं रहे हैं। अभी तक चूँकि सहकारी क्षेत्र के संस्थानों को

नियंत्रित करने के लिए प्रभावी तंत्र का अभाव था केंद्र सरकार द्वारा किए गए नए मंत्रालय के गठन के बाद सहकारी क्षेत्र के संस्थानों को नियंत्रित करने में कसावट आएगी एवं इन संस्थानों का प्रबंधन भी पेशेवर बन जाएगा जिसके चलते इन संस्थानों की कार्य प्रणाली में भी निश्चित ही सुधार होगा। सहकारी क्षेत्र पर आधारित आर्थिक मॉडेल के कई लाभ हैं तो कई प्रकार की चुनौतियां भी हैं। मुख्य चुनौतियां ग्रामीण इलाकों में कार्य कर रही जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों की शाखाओं के सामने हैं। इन बैंकों द्वारा ऋण प्रदान करने की स्कीम बहुत पुरानी हैं एवं समय के साथ इनमें परिवर्तन नहीं किया जा सका है। जबकि अब तो ग्रामीण क्षेत्रों में आय का स्वरूप ही बदल गया है। ग्रामीण इलाकों में अब केवल 35 प्रतिशत आय कृषि आधारित कार्य से होती है शेष 65 प्रतिशत आय गैर कृषि आधारित कार्यों से होती है। अतः ग्रामीण इलाकों में कार्य कर रहे इन बैंकों को अब नए व्यवसाय मॉडल खड़े करने होंगे। अब केवल कृषि व्यवसाय आधारित ऋण प्रदान करने वाली योजनाओं से काम चलने वाला नहीं है। भारत विश्व में सबसे अधिक दुग्ध उत्पादन करने वाले देशों में शामिल हो गया है। अब हमें दूध के पावडर के आयात की जरूरत नहीं पड़ती है। परंतु दूध के उत्पादन के मामले में भारत के कुछ भाग ही, जैसे पश्चिमी भाग, सक्रिय भूमिका अदा कर रहे हैं। देश के उत्तरी भाग, मध्य भाग, उत्तर-पूर्व भाग में दुग्ध उत्पादन का कार्य संतोषजनक रूप से नहीं हो पा रहा है। जबकि ग्रामीण इलाकों में तो बहुत बड़ी जनसंख्या को डेयरी उद्योग से ही सबसे अधिक आय हो रही है। अतः देश के सभी भागों में डेयरी उद्योग को बढ़ावा दिए जाने की आवश्यकता है। केवल दुग्ध सहकारी समितियां स्थापित करने से इस क्षेत्र की समस्याओं का हल नहीं होगा। डेयरी उद्योग को अब पेशेवर बनाने का समय

आ गया है। गाय एवं भैंस को चिकित्सा सुविधाएं एवं उनके लिए चारे की व्यवस्था करना, आदि समस्याओं का हल भी खोजा जाना चाहिए। साथ ही, ग्रामीण इलाकों में किसानों की आय को दुगुना करने के लिए सहकारी क्षेत्र में खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों की स्थापना करनी होगी। इससे खाद्य सामग्री की बबादी को भी बचाया जा सकेगा। एक अनुमान के अनुसार देश में प्रति वर्ष लगभग 25 से 30 प्रतिशत फल एवं सब्जियों का उत्पादन उचित रख रखाव के अभाव में बर्बाद हो जाता है। शहरी क्षेत्रों में गृह निर्माण सहकारी समितियों का गठन किया जाना भी अब समय की मांग बन गया है क्योंकि शहरी क्षेत्रों में मकानों के अभाव में बहुत बड़ी जनसंख्या झुग्गी झोपड़ियों में रहने को विवश है। अतः इन गृह निर्माण सहकारी समितियों द्वारा मकानों को बनाने के काम को गति दी जा सकती है। देश में आवश्यक वस्तुओं को उचित दामों पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कंजुमर सहकारी समितियों का भी अभाव है। पहिले इस तरह के संस्थानों द्वारा देश में अच्छा कार्य किया गया है। इससे मुद्रा स्फीति की समस्या को भी हल किया जा सकता है। देश में व्यापार एवं निर्माण कार्यों को आसान बनाने के उद्देश्य से 'ईज आफ डूइंग बिजिनेस' के क्षेत्र में जो कार्य किया जा रहा है उसे सहकारी संस्थानों पर भी लागू किया जाना चाहिए ताकि इस क्षेत्र में भी काम करना आसान हो सके। सहकारी संस्थानों को पूंजी की कमी नहीं हो इस हेतु भी प्रयास किए जाने चाहिए। केवल ऋण के ऊपर अत्यधिक निर्भरता भी ठीक नहीं है। सहकारी क्षेत्र के संस्थान भी पूंजी बाजार से पूंजी जुटा सकें ऐसी व्यवस्था की जा सकती है। विभिन्न राज्यों के सहकारी क्षेत्र में लागू किए गए कानून बहुत पुराने हैं। अब, आज के समय के अनुसार इन कानूनों में परिवर्तन करने का समय आ गया है। सहकारी क्षेत्र में पेशेवर लोगों की भी कमी है, पेशेवर लोग इस क्षेत्र में टिकते ही नहीं हैं। डेयरी क्षेत्र इसका एक जीता जागता प्रमाण है। केंद्र सरकार द्वारा सहकारी क्षेत्र में नए मंत्रालय का गठन के बाद यह आशा की जानी चाहिए के सहकारी क्षेत्र में भी पेशेवर लोग आकर्षित होने लगेंगे और इस क्षेत्र को सफल बनाने में अपना भरपूर योगदान दे सकेंगे। साथ ही, किन्हीं समस्याओं एवं कारणों के चलते जो सहकारी समितियां निष्क्रिय होकर बंद होने के कगार पर पहुंच गई हैं, उन्हें अब पुनः चालू होकार में लाया जा सकेगा। अमूल की तर्ज पर अन्य क्षेत्रों में भी सहकारी समितियों द्वारा सफलता की कहानियां लिखी जाएंगी ऐसी आशा की जा रही है। ह्रसहकारिता से विकासद्ध का मंत्र पूरे भारत में सफलता पूर्वक लागू होने से गरीब किसान और लघु व्यवसायी बड़ी संख्या में सशक्त हो जाएंगे।

बीमा से स्वास्थ्य सुरक्षा प्राथमिकता में शामिल हो स्वयं की सेहत



हर व्यक्ति को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त करने का अधिकार है। इसके लिए स्वास्थ्य बीमा एक महत्वपूर्ण कदम है, जो चिकित्सा खर्चों को वहन करने में मदद और स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करता है। स्वास्थ्य बीमा एक ऐसी व्यवस्था है, जो किसी व्यक्ति को चिकित्सा खर्चों से बचाव प्रदान करती है। यह किसी भी अप्रत्याशित बीमारी, चोट या सर्जरी के दौरान होने वाले भारी खर्चों को कवर करता है।

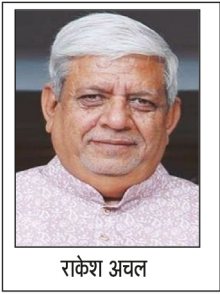
स्वास्थ्य बीमा के प्रकार

- व्यक्तिगत स्वास्थ्य बीमा** - यह योजना एक व्यक्ति के लिए होती है। इसके तहत अस्पताल में भर्ती होने, सर्जरी, चिकित्सा परीक्षण, दवाइयों आदि के खर्चों को कवर किया जाता है।
- फैमिली फ्लोटर स्वास्थ्य बीमा** - यह योजना पूरे परिवार के लिए होती है। एकल बीमा राशि का उपयोग परिवार के सभी सदस्यों के इलाज के लिए किया जा सकता है।
- वरिष्ठ नागरिक स्वास्थ्य बीमा** - वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष रूप से तैयार की गई है। यह योजना उम्र बढ़ने के साथ उत्पन्न होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं के लिए आवश्यक चिकित्सा खर्चों को कवर करती है।
- गंभीर बीमारी बीमा** - जीवनशैली से संबंधित बीमारियां जैसे कैंसर, हृदय रोग, किडनी फेल्लोर आदि के लिए विशेष बीमा योजनाएं होती हैं।
- समूह स्वास्थ्य बीमा** - यह योजना कंपनी या व्यावसायिक समूहों के लिए होती है।

चिंतन-मनन

गुरु का पाठ

गंगा के किनारे बने एक आश्रम में महर्षि मुकुल अपने अनेक शिष्यों को शिक्षा प्रदान किया करते थे। उन दिनों वहां मात्र दो शिष्य अध्ययन कर रहे थे। दोनों काफी परिश्रमी थे। वे गुरु का बहुत आदर करते थे। महर्षि उनके प्रति समान रूप से रनेह रखते थे। आखिर वह समय भी आया, जब दोनों अपने-अपने विषय के पारंगत विद्वान बन गए। मगर इस कारण दोनों में अहंकार आ गया। वे स्वयं को एक-दूसरे से श्रेष्ठ समझने लगे। एक दिन महर्षि स्नान कर पहुंचे तो देखा कि अभी आश्रम की सफाई भी नहीं हुई है और दोनों शिष्य सोकर भी नहीं उठे हैं। उन्हें आश्चर्य हुआ क्योंकि ऐसा पहले कभी नहीं होता था। महर्षि ने जब दोनों को जगाकर सफाई करने को कहा तो दोनों एक-दूसरे को सफाई का आदेश देने लगे। एक बोला-मैं पूर्ण विद्वान हूं। सफाई करना मेरा काम नहीं है। इस पर दूसरे ने जवाब दिया-मैं अपने विषय का विशेषज्ञ हूं। मुझे भी यह सब शोषा नहीं देता। महर्षि दोनों की बातें सुन रहे थे। उन्होंने कहा- ठीक कह रहे हो तुम लोग। तुम दोनों बहुत बड़े विद्वान हो और श्रेष्ठ भी। यह कार्य तुम दोनों के लिए उचित नहीं है। यह कार्य मेरे लिए ही ठीक है। उन्होंने झाड़ू उठाया और सफाई करने लगे। यह देखते ही दोनों शिष्य मारे शर्म के पानी-पानी हो गए। गुरु की विनम्रता के आगे उनका अहंकार पिघल गया। उनमें से एक ने आकर गुरु से झाड़ू ले लिया और दूसरा भी उसके साथ सफाई के काम में जुट गया। उस दिन से उनका व्यवहार पूरी तरह बदल गया।



राकेश अहल

वे दव्यास की श्रीमद् भागवत कथा में 18 हजार श्लोक, 335 अध्याय व 12 स्कंध हैं, लेकिन आरएसएस के डॉ मोहन भागवत की कथा में न श्लोकों की संख्या तय है और न अध्यायों की और न स्कन्धों की। ये लगातार घटते-बढ़ते रहते हैं। डॉ मोहन भागवत की भगवत कथा भारतीय सँविधान की तरह लचीली है। डॉ भागवत ने अपनी भागवत में एक नया अध्याय जोड़ा है तीन बच्चे पैदा करो का । अब उनके इस नए अध्याय से पूरा देश आल्हादित भी है और चिंतित भी। संघ प्रमुख कहने को पशु चिकित्सक हैं किन्तु वे मानवता से ओतप्रोत हैं। उन्हें पशुओं से ज्यादा मनुष्यों की फिक्र रहती है । आजकल उन्हें बहुसंख्यक हिन्दू समाज के अल्पसंख्यक होने की चिंता सता रही है इसीलिए उन्होंने देश की जनता से आवाहन किया है कि हर कोई कम से कम ३ बच्चे तो पैदा करें ही , अन्यथा उनका वज्रदं मिट जाएगा। डॉ भागवत को शायद पता नहीं है कि आजकल बच्चे पैदा करना तो दूर शादी करना भी कठिन हो गया है। देश में बच्चों से ज्यादा बेरोजगारों की संख्या बढ़ रही है और बरोजगारों की शादी आसानी से नहीं होती।ये



कुमार समीर

गुगल मैप्स हर किसी के जीवन का हिस्सा बन चुका है। एक स्थान से दूसरे गंतव्य तक पहुंचने के लिए इसका जम कर इसका इस्तेमाल हो रहा है। करोड़ों भारतीय रोजाना सफर करने के लिए इसका इस्तेमाल करते हैं। इससे उन्हें अपनी यात्रा प्लान करने में मदद मिलती है। इसमें सड़कें, मोड़, लेन की जानकारी शामिल होती हैं। यह भी सच है कि आज की तारीख में गुगल मैप्स नेविगेशन के क्षेत्र में लीडर की भूमिका में है। लोगों की इस पर निर्भरता किस हद तक बढ़ गई है, इसका अंदाजा इससे भी लगाया जा सकता है कि अगर आपकी, हमारी बिटिया देर रात भी कैब से एयरपोर्ट, स्टेजिया कर रही है, या वहां से घर आ रही हैड्यू तो सुरक्षा के ख्याल से रिसीव करने या सीआफ करने की भी जरूरत नहीं है। घर बैठे ही उसकी लोकेशन ट्रैक की जा सकती है, और यह सुविधा तब तक रहती है, जब तक वह गंतव्य तक सुरक्षित नहीं पहुंच जाती।

बेरोजगार तीन बच्चे पैदा करने के राष्ट्रयज्ञ में कैसे शामिल हो सकते हैं? गोस्वामी तुलसीदास जी ने राम चरित मानस में लिखा है कि - पर उपदेश कुशल बहुतेरे, जे अचरहिं ते नर न घनेरे। डॉ भागवत इन्हीं घनेरे नरों में से एक हैं। डॉ भागवत को नहीं पता कि शादी करना और विवाह करना कोई आसान काम नहीं है। यदि होता तो वे खुद शादी न कर लिए होते। उनके मित्र प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र दामोदर दास मोदी जी ने तो शादी की भी लेकिन भाग खड़े हुए । वे तीन बच्चा ,एक बच्चा भी इस देश को नहीं दे पाए। समाज की संरचना में इस लिहाज से डॉ भागवत और डॉ मोदी जी का कोई योगदान नहीं है। इसलिए उन्हें ये कहने का भी अधिकार नहीं है कि लोग तीन बच्चे पैदा करें। इस देश को हम दो, हमारे दो का नारा देने वाली देश की तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गाँधी ने शादी भी की और दो बच्चे भी देश सेवा के लिए दिए। यानि भागवत और मोदी के मुकाबले इंदिरा गाँधी का योगदान ज्यादा महत्वपूर्ण है। सवाल ये है कि डॉ भागवत को आबादी बढ़ने की सलाह देने की जरूरत आखिर पड़ी क्यों ? क्या डॉ भागवत समाजशास्त्री हैं ? क्या डॉ भागवत अर्थशास्त्री हैं ? नहीं हैं। वे पशु चिकित्सक हैं। इसलिए उन्हें आबादी के बारे में बात करने की न पात्रता हासिल है और न किसी ने उन्हें ये अधिकार दिया है। देश की आबादी 2024 में 144 करोड़ थी ,जो भविष्य में घटना नहीं है ,भले ही देश की प्रजनन दर घटकर २ प्रतिशत ही क्यों न हो जाये। आबादी बढ़ाने की फिक्र उन देशों की हो सकती है जिन देशों में लगातार आबादी घट रही है । भारत तो जनसंख्या के मामले में विश्व चैम्पियन है। नंबर वन ,यानि चीन से भी आगे। इस पर भी डॉ भागवत कह रहे हैं कि देश का

काम केवल दो बच्चों से चलने वाला नहीं ही ,कम से कम 3 बच्चे हर विवाहित जोड़े को पैदा करना चाहिए। संघ प्रमुख डॉ मोहन भागवत लगता है अपने प्रधानमंत्री के हम उम्र प्रचारक तो हैं किन्तु हम ख्याल बिलकुल नहीं है। उन्हें माननीय प्रधानमंत्री जी की योजनाओं और चिंताओं का पता नहीं है ,यदि पता होता तो वे आबादी बढ़ाने की बात ही न करते । शायद किसी ने डॉ भागवत को ये नहीं बताया कि इस देश में आज भी सरकार को 85 करोड़ लोगों को पेट भरने के लिए मुफ्त में अनाज देना पड़ रहा है। यानि इस आबादी के एक बड़े हिस्से के पास न दो जून की रोटी है,न रहने को घर ,चिकित्सा ,शिक्षा और दीगर सुविधाओं की तो बात ही दूर है। ऐसे में यदि लोगों ने आबादी बढ़ाना शुरू कर दी तो ये मुम्तखोरों की तादाद और नहीं बढ़ा देंगे ! देश को तीन बच्चे पैदा करने का गुरु मंत्र देने वाले डॉ भागवत को अपना समान्य ज्ञान बढ़ाना चाहिए ,क्योंकि शायद वे नहीं जानते कि दुनिया की कुल आबादी का कोई 18 फीसदी हिस्सा तो अकेले भारत के पास है। डॉ भागवत को पशु चिकित्सा शिक्षा के दौरान संयुक्त राष्ट्र संघ की वो रिपोर्ट नहीं पढ़ाई गयी होगी जिसके मुताबिक दुनिया में दुनिया के 1 अरब गरीबों में से 23 करोड़ से ज्यादा लोग अकेले भारत में रहते हैं। इनमें भी बच्चों की संख्या सबसे ज्यादा यानि आधी है। डॉ भागवत को ये नहीं पता कि इस वर्ष की रिपोर्ट संघर्ष के बीच गरीबी पर केंद्रित है, क्योंकि 2023 में द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सबसे अधिक संघर्ष हुए और युद्ध, आपदाओं और अन्य कारकों के कारण अब तक की सबसे अधिक संख्या यानी 11.7 करोड़ लोगों को अपने घरों को छोड़कर विस्थापित होना पड़ा। इनमें मणिपुर की विभीषिका में



बेघर हुए लोग शामिल नहीं हैं। मुझे पता नहीं है कि डॉ भागवत ने आधुनिक जनसंख्या विज्ञान किस विश्व विद्यालय से पढ़ा है ? मोहन भागवत ने कहा, आधुनिक जनसंख्या विज्ञान कहता है कि जब किसी समाज की जनसंख्या (प्रजनन दर) 2.1 से नीचे चली जाती है, तो वह समाज दुनिया से नष्ट हो जाता है जब कोई संकट नहीं होता है। इस तरह से कई भाषाएं और समाज नष्ट हो गए हैं. जनसंख्या 2.1 से नीचे नहीं जानी चाहिए। मै डॉ मोहन भागवत के ज्ञान को कोई चुनौती देना नहीं चाहता,मेरी हैसियत भी नहीं है चुनौती देने की । लेकिन एक बालक बुद्धि के हिसाब से मैं भी एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन अवेसी की तरह जानना चाहता हूँ कि वह अधिक बच्चे पैदा करने वालों को क्या देंगे. क्या वह अधिक बच्चे पैदा करने वालों के बैंक खातों में 1500 रुपये देंगे ? क्या वह इसके लिए कोई योजना लाएंगे ? बहरहाल 3 बच्चे पैदा करने के मश्विरे के बारे में मैं तो सोचने से रहा क्योंकि मेरे यहां तो फुलस्टाप लग चुका है ,लेकिन जो अभी इस उद्यम में लगे हैं ,वे सोचें ,सपष्टें और खुद कोई निर्णय करे। डॉ भागवत की बातों में बिना समझे न आ जाएँ ,अन्यथा उनका तीसरा बच्चा भी मुमकिन है उस कनार में बैठा हो जिसे पांच किलो मुफ्त का अनाज खाकर जीवित रहना पड़ता है।

बरेली पुल हादसा: लापरवाही कर्हें या हत्या

सुरक्षा की दृष्टि से यह बड़ी बात है, और जो भी इसका इस्तेमाल करते हैं, वे सफर आसान हो जाने के लिए गुगल को धन्यवाद देते भी नहीं थकते। लेकिन पिछले दिनों बरेली में एक हादसे से सब कुछ उल्टा हो गया है। सुरक्षा को लेकर ही गुगल मैप्स ऐप पर सवाल खड़ा किया जाने लगा है। पूछा जा रहा है कि गुगल मैप्स ने टूटे पुल वाला रास्ता क्यों दिखाया? हालाँकि इसमें भी दो राय नहीं कि हादसे के बाद प्रथम दृष्टया कोई भी यही सवाल करेगा। कई लोग तो तर्क देंगे कि गुगल मैप्स बरेली में त्रासदी को टाल सकता था। यह गुगल मैप्स की लापरवाही है, जो यूजर्स डेटा की बड़ी मात्रा एकत्र करता है। पुल एक साल पहले ही गिर गया था, जिसका मतलब है कि इस अवधि के दौरान किसी भी यूजर ने उस सड़क का उपयोग नहीं किया। अगर यह मामला है तो सबसे बड़ा सवाल है कि गुगल मैप्स एक सड़क की सिफारिश कैसे कर सकता है, जिसका इस्तेमाल एक साल से ज्यादा समय से नहीं हुआ है? राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा मिशन के प्रमुख अमित यादव का कहना है कि इस विसंगति को गुगल मैप्स के एल्गोरिदम द्वारा चिह्नित किया जाना चाहिए था, जिससे संभावित रूप से जीवन बच सकते थे, लेकिन जब इस मामले की तह में जाएँ तब पता चलेगा कि सबसे बड़ा जिम्मेदार, गुनगहार कोन है बरेली में हुए दर्दनाक हादसे के लिए। हमें समझना होगा कि आखिर, गुगल मैप कैसे रास्ता दिखाता है, कहाँ-कहाँ से डाटा इकट्ठा करके रास्ता बताएँ का काम करता है, और कब इसके फेल होने

का खतरा रहता है? बता दें कि गुगल अपनी मैप सर्विस के लिए कई तरह से डाटा जुटाता है, और इसके आधार पर रास्ता बताता है। सबसे पहले सैटेलाइट इमेज के जरिए रूट की तस्वीर तैयार करता है। इसे तैयार करने में गुगल एरियल फोटोग्राफी का भी इस्तेमाल करता है। ट्रैफिक सिग्नल कैमरा, जीपीएस, यूजर इनपुट और स्ट्रीट मैप के जरिए गुगल डाटा तैयार करता है। इसके बाद गुगल की मैप सर्विस सारे इनपुट के साथ रियल टाइम डाटा की एनालिसिस करती है, और इसके आधार पर गुगल रास्ता दिखाता है। गुगल मैप जीपीएस सिस्टम के जरिए यूजर की लोकेशन और मंजिल के बीच का रास्ता बताता है। मोड़ से पहले वॉयस के जरिए यूजर्स को अलर्ट भी भेजता है। यह सब कुछ इसलिए संभव हो जाता है क्योंकि गुगल कई तरह से डाटा इकट्ठा करता है। सड़क की क्या स्थिति है, यह स्ट्रीट व्यू के जरिए पता चलती है। स्ट्रीट व्यू के लिए वो कैमरे जिम्मेदार होते हैं, जो गुगल को मौजूदा हालात की जानकारी देते हैं। इनके जरिए ही गुगल तब सड़कों की 360 डिग्री तस्वीर पहुंचती है। इन सबकी प्रसिसिंग के बाद ही गुगल मैप के जरिए आप तक जानकारी पहुंचाता है।



और 2023 जुलाई में पुल की अप्रोच रोड पूरी तरह से बह गई। अश्रुरे पुल पर जाने से ही गत रविवार सुबह कार पुल से नीचे नदी में गिर गई और 3 लोगों की मौत हो गई थी। इस पूरे मामले में पीडब्ल्यूडी अधिकारियों की बड़ी लापरवाही झलकती है। पीडब्ल्यूडी अधिकारियों ने पुल की अप्रोच रोड बहने के बावजूद पुल के दोनों ओर कोई भी अवरोध, बैरिकेड नहीं किया। इस वजह से दर्दनाक हादसे में 3 लोगों की जान चली गई। दोनों ओर बैरिकेड होता तो हादसा नहीं होता। कैमरे से गुगल को टूटे हुए पुल की जानकारी मिल जाती। पीडब्ल्यूडी द्वारा जान बूझकर पुल के दोनों किनारों पर मजबूत बैरिकेडिंगड्ड अवरोध, रिफ्लेक्टर बोर्ड नहीं लगाया गया था। पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

कलेक्टर ने की जनसुनवाई : 72 आवेदकों की सुनी समस्याएं

नीमच 10 दिसम्बर । कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में जनसुनवाई करते हुए 72 आवेदकों की समस्याएं सुनीं और उनका निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्रीमती लक्ष्मी गामड़, जिला पंचायत सीईओ श्री अरविंद डामोर, एसडीएम नीमच डॉ.ममता खेडे सहित अन्य जिला अधिकारी उपस्थित थे।

जनसुनवाई में कनावटी की शीलाबाई, सुवाखेडा के ज्ञानचंद्र, इंद्रानगर नीमच की मनीषा, बिसलवास खुर्द के सुनील, मोडी के कारूलाल, मोरवन के अशोक, बनड़ के कैलाश, दुलाखेडा के महिपालसिंह, शांभाराम, मोहनसिंह, केसरसिंह, कुम्हारगली नीमच केंद्र के सलीम, इंदिरा नगर



विस्तार नीमच की ललिता बाई, कोराखेडी मोहनलाल, जमुनिया कलां पवन कुमार, तारापुर के विवेक, रतनगढ़ के वार्ड नं.2 के भेरूलाल, महाराणा बंगला के पास नीमच के राजेन्द्र कुमार, हरनावदा के सालगग्राम, जवाहर नगर प्लांट 22 नीमच केंद्र के रवि शंकर

शुक्ला, मेधपुरा के दिनेश धाकड़, समली चंद्रावत के कमल धनगर ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। इसी तरह जनसुनवाई में रतनगढ़ के प्रकाशचंद्र, बिसलवासकलां की जानीबाई, मनासा की मेनाबाई, भगवानपुरा की भागवती बाई,

नीमच केंद्र की नर्मदाबाई, गुलाब खेडी के संतोष सिंह, स्क्रीम नं.9 के मोहम्मद अकबर, कनावटी के नन्दू लौहार, मोडी के मोडीराम, चल्दू के रामनिवास, जयसिंहपुरा नीमच की श्रीमती शालिबाई आदि ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए।

प्रदेश में 2025 में होंगी बंपर भर्तियां

81 हजार से अधिक पदों के लिए जल्द जारी हो सकता है नोटिफिकेशन



भोपाल । प्रदेश में अगले वर्ष में बंपर भर्तियों का ऐलान किया गया है, जिसमें 81,075 पदों को चिह्नित किया गया है। इन पदों पर भर्ती की प्रक्रिया को जल्द ही शुरू किया जाएगा। विभिन्न विभागों ने रिक्त पदों के लिए प्रस्ताव भेजे हैं और इसके लिए भर्ती एजेंसियां तैयार हैं। ऊर्जा विभाग ने 2,573 पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी कर दिया है, जिनमें कनिष्ठ अभियंता (संयंत्र), मैकेनिकल, इलेक्ट्रॉनिक, सिविल, और सहायक प्रबंधक सहित अन्य पद शामिल हैं। यह भर्ती प्रक्रिया 24 दिसंबर 2024 से 23 जनवरी 2025 तक एम्पी ऑनलाइन पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन के लिए खुली रहेगी। अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई ने

बताया कि परिचम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी को नोडल कंपनी बनाकर संपूर्ण भर्ती प्रक्रिया पूर्ण करने की जिम्मेदारी दी गई है। कंपनी ने तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के 2,573 पदों के लिए विज्ञापन जारी कर दिया है।

प्रस्ताव भेजने की तैयारी - मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दिसंबर 2024 तक एक लाख सरकारी पदों पर भर्ती करने की घोषणा की थी। इसके तहत, विभिन्न विभागों ने रिक्त पदों को चिह्नित कर लिया है और अब प्रस्ताव भेजने की तैयारी हो रही है।

स्कूल शिक्षा विभाग और गृह विभाग में सबसे अधिक पद - सबसे अधिक पद स्कूल शिक्षा विभाग और गृह विभाग में हैं, जिनमें क्रमशः 24,500 और 20,000 पद शामिल हैं। इसके अलावा, उच्च शिक्षा और तकनीकी शिक्षा विभाग 11,800 पदों पर भर्ती करेंगे।

विभागवार भर्ती के आंकड़े

विभाग	पद संख्या
स्कूल शिक्षा विभाग	24,500
गृह विभाग	20,000
ऊर्जा विभाग	4,700
उच्च शिक्षा	6,500
तकनीकी शिक्षा	5,300
वन विभाग	4,250
पंचायत एवं ग्रामीण विकास	2,600
राजस्व विभाग	2,525
जल संसाधन	2,500
पशुपालन और डेयरी	2,200

प्रसव की तरह गर्भपात के बाद भी देखभाल महत्वपूर्ण

इसे हल्के में न लें



गर्भपात (अबोर्शन), प्रेग्नेसी पूर्ण होने से पूर्व गर्भ के सामान्य की अवस्था है, जिसमें गर्भाशय से भ्रूण स्वतः निकलित हो जाता है या चिकित्सीय रूप से कर दिया जाता है। इसके फलस्वरूप गर्भाशय की समाप्ति हो जाती है। यह स्थिति शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से महिला पर गहरा असर डाल सकती है। गर्भपात विभिन्न कारणों से हो सकता है जैसे शारीरिक समस्याएं, भ्रूण में असामान्यताएं या महिला की स्वास्थ्य स्थितियां। गर्भपात के बाद महिला की सामान्य मादावरी अवधि 4-8 सप्ताह में वापस आ जाती है। शुरुआत में अनिम्बिग स्ट्रेचिंग या रक्तस्राव हो सकता है। इसमें कई दिनों तक मूत्र रक्तस्राव देखे जाते हैं।



आराम करना : गर्भपात के बाद शरीर को पूरी तरह से आराम की जरूरत होती है। शारीरिक रूप से थकान महसूस हो सकती है, इसलिए पहले कुछ दिन आराम करना आवश्यक है।

वर्द और ऐंठन : गर्भपात के बाद हल्का वर्द या ऐंठन हो सकती है, जो सामान्य है। डॉक्टर की ओर से दी गई वर्द निवारक दवाओं का उपयोग करें। गर्म पानी की बोतल या हीटिंग पैड भी मदद कर सकता है।

स्वच्छता : संक्रमण से बचने के लिए सही स्वच्छता बनाए रखना बेहद महत्वपूर्ण है। बाथ टब के बजाय शौच का उपयोग करें और सैनिटरी पैड का उपयोग करें।

रक्तस्राव पर निगरानी : गर्भपात के बाद हल्का रक्तस्राव सामान्य है, लेकिन अगर रक्तस्राव अत्यधिक हो, जैसे भारी रक्तस्राव, बड़े थक्के, या रक्तस्राव, जो लगातार एक सप्ताह से अधिक हो, तो इलाज लें।

भारी शारीरिक गतिविधि से बचना : गर्भपात के बाद कुछ हफ्तों तक भारी शारीरिक गतिविधियों से बचें। भारी काम या शारीरिक मेहनत (जैसे वजन उठाना) न करें।

समय और ध्यान देना : अपर बुधवार, अत्यधिक दर्द, बदबूदार डिचार्ज या अबोर्शन के बाद हार्मोनल असंतुलन हो तो उपचार लें।

अंतराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर नीमच में कार्यक्रम सम्पन्न



नीमच 10 दिसम्बर । अंतराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर म.प्र. मानवाधिकार आयोग भोपाल द्वारा नीमच में मंगलवार को कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल एवं सुरक्षा पर परिचर्चा की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ.पूरण सहगल ने की। कार्यक्रम में श्री मनोहर सिंह लोढ़ा, श्री किशोर जेवरिया, डॉ.आर. के.भण्डारी, श्री भानुदेव मंचासीन थे। प्रारंभ में श्री विजय बैरागी, श्री सी.एस. परिहार एवं डॉ.बी.एल.बोरिवाल ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया।

शोक बैठक

हमारे जीजाजी कन्हैयालालजी राहोरिया (पाचोरा वाले) का देहान्त दिनांक 8.12.2024 रविवार को हो गया है, जिनकी शोक बैठक दिनांक 11.12.2024 को सायं 4 बजे हमारे निज निवास स्थान चौरसिया अस्पताल के पीछे, घंटाघर के पास, नीमच पर रखी गई है।

- शोकाकुल

चन्द्रप्रकाश नागौरी (प्रजापति)
राजेन्द्र नागौरी (अमीरी चुडा मनासा)
संतोष नागौरी (मास्टरमाइण्ड मोबाईल)
हेमन्त नागौरी (के.पी.इन्टरप्राइजेस)
एवं समस्त नागौरी परिवार

कार्यालय नगरपालिका परिषद, नीमच जिला नीमच म.प्र.

क्रं. 463 / ई-टेण्ड./01/वीयकल विभाग/2024/

नीमच, दिनांक 10 /12/ 2024

ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है । निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट [website http://mptenders.gov.in](http://mptenders.gov.in) पर देखा सकते हैं। -

क्रं./टेण्डर क्रमांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा प्रपत्र की अंतिम तिथि
2024_UAD_387352	घर-घर से कचरा संग्रहण हेतु 05 नग कचरा गाड़ी क़य करने हेतु	01 Months 3601695+GST	Rs. 2000 Rs. 27100	24.12.2024

1. निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन <http://mptenders.gov.in> की वेबसाईट पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा ।

श्रीमती स्वाति गौरव चौपड़ा
अध्यक्ष, नगरपालिका परिषद, नीमच

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद, नीमच

इनरव्हील डायमंड ने शासकीय कन्या विद्यालय नीमच केन्ट में किये अनेक प्रकल्प



नीमच। इनरव्हील पीडित मानवता की सेवा का माध्यम है। सेवा से व्यक्तित्व का विकास होता है युवा वर्ग पीडित मानवता की सेवा के क्षेत्र में आगे आएँ तभी उनका जीवन सार्थक साबित होगा । सेवा के लिए सभी संघर्ष करें और हारकर भी जीतना सिखें । बुर्जों की सेवा तथा बच्चों को सुस्कार सिखाएँ.. तभी हमारा समाज प्रगति करेगा । यह बात इनरव्हील क्लब ऑफ नीमच

कार की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

पिपलिया मण्डी 10 दिसम्बर (निप्र)। कार की टक्कर से बाइक सवार नगर सुरक्षा समिति सदस्य की मौत हो गई। हादसा सोमवार शाम डिगाव-कचनारा मार्ग पर खानुखेडा फन्टे पर हुआ। कार (एमपी 09 आरएन 0786) ने बाइक सवार नाहरगढ़ निवासी नगर सुरक्षा समिति सदस्य मोहनलाल धाकड़ की मौत हो गई। मंगलवार सुबह शव पीएम के बाद परिजनों को सुपुर्द कर दिया व नाहरगढ़ पुलिस ने कार चालक पर केस दर्ज किया।

डायमण्ड की सचिव अर्पिता जिन्दल द्वारा हैप्पी स्कूल बनाने हेतु जारी प्रकल्प के दौरान कहीं। क्लब की पूर्व अध्यक्ष पूजा गर्ग ने कहा सकारात्मक उद्देश्य के साथ हमें शिक्षा के क्षेत्र में सजग रहना होगा । पीडित और असहाय की सहायता के लिए सभी को मिलकर आगे बढ़ना होगा तभी समाज और राष्ट्र का सर्वांगीण विकास होगा । इस वर्ष हमारे क्लब द्वारा शिक्षा और स्वास्थ्य पर भी विशेष ध्यान

दिया जा रहा है। इसी प्रकार हैप्पी स्कूल बनाने की कड़ी में आज जलव्यवस्था, पुस्तकालय, खेलकूद सामग्री प्रदान की। इनरव्हील डायमंड इस वर्ष जुलाई से विद्यालय को हैप्पी स्कूल बनाने के लिए प्रयासरत है। आगे बचे हुए प्रकल्प करके हम बहुत ही जल्दी विद्यालय को हैप्पी स्कूल बनाएंगे। कार्यक्रम के अंत में स्कूल स्टाफ द्वारा क्लब का आभार व्यक्त किया।

भारतीय मजदूर संघ ने श्रमिक संपर्क अभियान के दौरान विधायक श्री परिहार से की मुलाकात



नीमच । भारतीय मजदूर संघ जिला नीमच द्वारा प्रांतीय आन्दोलन पर नीमच क्षेत्र एवं ग्रामीण क्षेत्रों में भारतीय मजदूर संघ के कार्यकर्ताओं की टोली के साथ श्रमिकों से संपर्क अभियान को निरंतर जारी रखते हुए आज भारतीय मजदूर संघ के पदाधिकारियों ने क्षेत्रीय विधायक श्री दिलीप सिंह जी परिहार से उनके निवास पर पहुंच मुलाकात कर उन्हें भारतीय मजदूर संघ के द्वारा पूरे देश में अपने स्थापना के 70वर्षों पूरे करने के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे श्रमिक संपर्क अभियान का जानकारी से अवगत कराया साथ

ही भारतीय मजदूर संघ नीमच के जिला मीडिया प्रभारी शंभुप्रसाद शर्मा ने इस कार्यक्रम में विधायक दिलीप सिंह परिहार से श्रमिक संपर्क अभियान में सहभागिता सुनिश्चित करने का आग्रह किया भारतीय मजदूर संघ के साथ विधायक दिलीप सिंह परिहार ने भारतीय मजदूर संघ अमर रहे, कौन बनता हिन्दुस्तान भारत का मजदूर किसान जैसे लोकप्रिय जयघोष से गुंजायमान कथ भारतीय मजदूर संघ का मनोबल बढ़ाया श्रमिक संपर्क अभियान में विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने भी अपनी

सहभागिता निभाई । इस अवसर पर भारतीय मजदूर संघ नीमच के जिला अध्यक्ष नितिन साहू, जिला मीडिया प्रभारी शंभुप्रसाद शर्मा, बिजली कर्मचारी महासंघ के राजेंद्र कुमार जैन, दिनेश शर्मा, भा.म.स. के कोषाध्यक्ष राजेश पोरवाल, सौरभ चौहान, राजमल व्यास पूर्व भा.म.स. जिलाअध्यक्ष मनीष नागदा, जगदीश बागडी, प्रशांत कुशवाह ,जिला सहकारी बैंक के अरुण कुमार चौहान , पश्चिम रेलवे कर्मचारी परिषद के मुकेश कुमार सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

आज ही बुक करें अपना **Zelo** इलेक्ट्रिक स्कूटर, घर ले जाए

मात्र रु ~~45990/-~~ रु **42000/-**

में वो भी 1 साल की बैटरी वारंटी के साथ

मात्र रु **42000/-** से इलेक्ट्रिक स्कूटर की रेंज से शुरू ...



RTO मॉडल मात्र

रु ~~81000/-~~ रु **76000/-***

(माइलेज 80-100 कि.मी.) 3 साल बैटरी की वारंटी के साथ, आज ही बुक करवाए और पाए एक सोने का सिक्का ।

Zelo Electric Scooter

बंगला नं. 23, IDBI बैंक के सामने,
Lic रोड़, नीमच (म.प्र.)
मो. 940742399, 8770664866